Marking Scheme

BSEH Model Paper (2026-2027)

CLASS: 11th[th] (Sr. Secondary) **Code: 638**

Roll No. | | | | | | | | | |

हिंदुस्तानी संगीत गायन

(Hindustani Music Vocal)

(Hindi and English Medium)

ACADEMIC / OPEN

(Time allowed: 2½ hours) (Maximum Marks: 30)

खंड (1) वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न 1 से 8

Section (1) Objective type questions

(01 X 08 = 08)

.....

प्रश्न 1. संगीत रत्नाकर के रचयिता कौन हैं?

उत्तर – **B) शारंगदेव**

प्रश्न 2. राग यमन किस थाट का राग है?

उत्तर – **B) कल्याण थाट**

प्रश्न 3. सप्तक में कुल __ स्वर होते हैं।

उत्तर – **7 स्वर**

प्रश्न 4. तीनताल में __ मात्राएँ होती हैं।

उत्तर – **16 मात्राएँ**

प्रश्न 5. अभिकथन A): राग में कम से कम पाँच स्वर होने चाहिए। कारण R): चार स्वरों से राग की रचना नहीं होती।

उत्तर – **(A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही कारण है।)**

प्रश्न 6. अभिकथन A): कहरवा ताल 8 मात्राओं की होती है। कारण R): इसका विभाजन 4 + 4 होता है।

उत्तर – **(A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही कारण है।)**

प्रश्न 7. नाद के कितने प्रकार होते हैं?

उत्तर – **दो आहत एवं अनाहत**

प्रश्न 8. राग आसावरी किस थाट का राग है?

उत्तर – **आसावरी थाट**

खंड (2) **अति लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न 9 से 12**

Section (2) Very short answer type questions

(02 X 02 = 04)

प्रश्न 9. संगीत की परिभाषा लिखिए। **अथवा** ध्वनि और नाद में अंतर लिखिए।

उत्तर – **गीत, वाद्य और नृत्य के समन्वय को संगीत कहते हैं।**

प्रश्न 10. ख्याल की दो विशेषताएँ लिखिए। **अथवा** तराना क्या है?

उत्तर – **ख्याल की विशेषताएँ**

कल्पनाशील गायन।

आलाप और तानों का अधिक प्रयोग।

प्रश्न 11. थाट की परिभाषा लिखिए। **अथवा** राग की दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर – **सात स्वरों के क्रमबद्ध समूह को थाट कहते हैं, जिससे राग उत्पन्न होते हैं।** अथवा राग में रजंकता होना आवश्यक है, राग में आरोह–अवरोह होना आवश्यक है।

प्रश्न 12. रूपक ताल का परिचय दीजिए। **अथवा** श्रुति क्या है?

उत्तर – **रूपक ताल 7 मात्राओं की होती है। विभाजन 3+2+2 है।**

.....

खंड (3) **लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न 13 से 15**

Section (3) short answer type questions

(03 X 03 = 09)

प्रश्न 13. उत्तरी एवं दक्षिणी भारतीय स्वरलिपि पद्धति में तीन अंतर लिखिए। अथवा स्वरलिपि पद्धति के लाभ लिखिए।

उत्तर – उत्तरी और दक्षिणी संगीत पद्धति के तीन अंतर।

प्रश्न 14. राग यमन का परिचय लिखिए आरोह, अवरोह, वादी, संवादी, पकड़ । अथवा राग जौनपुरी का परिचय लिखिए।

उत्तर – **राग यमन**

थाट – कल्याण

जाति – सम्पूर्ण–सम्पूर्ण

वादी – ग

संवादी – नि

आरोह – नि रे ग म तीव्र प ध नि सां

अवरोह – सां नि ध प म तीव्र ग रे सा

पकड़ – नि रे ग, रे सा

प्रश्न 15. पं विष्णु नारायण भातखंडे का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखिए। अथवा बैजू बावरा का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखिए।

उत्तर – पं विष्णु नारायण भातखंडे

जन्म – 1860

आधुनिक संगीत शास्त्र के महान विद्वान।

थाट पद्धति का प्रतिपादन किया।

'क्रमिक पुस्तक मालिका' की रचना की।

खंड (4) दीर्घ उत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न 16

Section (4) Long answer type questions

(05 X 01 = 05)

.....

प्रश्न 16. वैदिक काल से 12वीं शताब्दी तक भारतीय संगीत के विकास का वर्णन कीजिए तथा 'संगीत रत्नाकर' का महत्व बताइए।

अथवा

राग आसावरी का विस्तृत परिचय लिखिए तथा उसका आरोह , अवरोह, पकड़ एवं दो अलंकार लिखिए।

उत्तर – वैदिक काल से 12वीं शताब्दी

सामवेद में संगीत का प्रारंभ।

भरतमुनि का नाट्यशास्त्र।

मतंग का बृहद्देशी।

शारंगदेव का संगीत रत्नाकर।

संगीत रत्नाकर उत्तर एवं दक्षिण भारतीय संगीत का आधार माना जाता है।

अथवा

राग आसावरी

थाट – आसावरी

जाति – औडव–सम्पूर्ण

वादी – ध

संवादी – ग

आरोह – सा रे म प ध सा

अवरोह – सा नि कोमल ध कोमल प म ग कोमल रे सा

पकड़ – रे म प ध, म ग रे सा